विश्व हिन्दी परिषद

हिन्दी भाषा विश्व भाषा

वसुधैव कुटुम्बकम्

विश्व हिंदी परिषद द्वारा नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का शानदार आगाज

(13–14 सितंबर, 2019)

मंच पर आसीन गोवा की महामहिम राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा जी, कार्यक्रम के अध्यक्ष आर.एस.एस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य माननीय श्री इंद्रेश कुमार जी, मुख्य अतिथि के रुप में प्रधानमंत्री कार्यालय के माननीय राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह जी, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद जद(यू) के प्रधान महासचिव श्री के.सी. त्यागी जी, नीति आयोग के प्रमुख सलाहकार श्री अनिल श्रीवास्तव जी, स्वागत कर्ता के रूप में एन.डी.एम.सी. की सचिव श्रीमती रश्मि सिंह जी, सम्मेलन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार भारद्वाज जी एवं विश्व हिन्दी परिषद के महासचिव- डॉ. बिपिन कुमार

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विश्व हिंदी परिषद और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जा रहे अंतराष्ट्रीय सम्मलेन के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई है।

बदलते समय के साथ गांधी जी के जीवन दर्शन और विचारों की बढ़ती प्रासंगिकता उनके बारे में अधिक जानने व समझने का अवसर देती है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अब तक हमारे जीवन के विविध पहलुओं और विचारों में गांधी जी की छाप स्पष्ट रूप से झलकती है। उनके विराट चिंतन में राष्ट्रीयता, सत्य, अहिंसा, ग्राम-स्वराज्य, समानता, नैतिकता और दर्शन से लेकर स्वच्छता जैसे विषय भी समाहित है।

विश्व में स्थिरता लाने और मानवता के मूल्यों से जन-जन को जोड़ने में गांधी जी के विचार अमूल्य हैं। मुझे विश्वास है कि सम्मेलन में हिस्सा ले रहे सभी हिंदी प्रेमी गांधी जी से जुड़े अपने भावों को समुचित ढंग से व्यक्त करेंगे।

सम्मेलन के आयोजकों और इसमें हिस्सा ले रहे सभी प्रतिभागीयों को बधाई व शुभकामनाएं।

नई दिल्ली
भाद्रपद 18, भाक संवत् 1941
09 सितंबर, 2019

(नरेन्द्र मोदी)

सेवा में,
डॉ. विपिन कुमार
महासचिव
विश्व हिंदी परिषद, नई दिल्ली

देश की जानी माने हस्तियों की गरिमामय उपस्थिति के बीच संपन्न हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

> "संग चले जब तीन पीढ़ियां,
> चढ़े विकास की सभी सीढ़ियां"
>
> मृदुला सिन्हा,
> महामहिम राज्यपाल, गोवा

लोक मंगल और सर्व कल्याण की भावना के साथ अपनी भाषा और संस्कृति के उन्नयन में निरंतर सेवारत विश्व हिंदी परिषद द्वारा 13–14 सितंबर 2019 को एन.डी.एम.सी सभागार, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में महात्मा गाँधी जी की 150 वीं जयंती के सुअवसर पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देश–विदेश से आए लगभग 500 प्रतिनिधियों का उत्साह देखते ही बनता था।

सम्मेलन का शानदार आगाज 13 सितंबर को उद्घाटन सत्र के साथ हुआ जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य माननीय इंद्रेश कुमार जी ने की। बतौर उद्घाटनकर्ता गोवा की राज्यपाल माननीया मृदुला सिन्हा ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दी। आयोजन के विभिन्न सत्रों में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री माननीय डॉ. जितेंद्र सिंह जी, केंद्रीय राज्य मंत्री माननीय अर्जुन राम मेघवाल जी, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राज्यमंत्री जनरल वी.के सिंह जी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जदयू के राष्ट्रीय महासचिव के. सी. त्यागी जी, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री माननीय एवं सांसद श्री सत्यपाल सिंह जी, संघ के शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास के सचिव माननीय श्री अतुल कोठारी जी, एनडीएमसी की अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह इत्यादि ने महात्मा गाँधी के सदाचारी, सत्याग्रही, परित्यागी जीवन, श्रेष्ठ जीवन–मूल्यों, अमर सिद्धांतों का स्मरण करते हुए देश और विदेश में हिंदी के वर्चस्व को स्थापित करने के लिए बहुआयामी प्रयासों पर विशेष जोर दिया। सभी ने पुरजोर स्वरों में इस बात को दोहराया की भावनाओं, संवेदनाओं और विचारों के संप्रेषण में हिंदी भाषा की भूमिका अनन्यतम है। हिंदी भाषा हमारे भारत वासियों की एकता और भाईचारे के बंधन को सुदृढ़ बनाने के साथ हमारी श्रेष्ठ संस्कृति का प्राणतत्व भी है। हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य के बिना कला, दर्शन और संस्कृति का विकास असंभव है।

इस अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में देश–विदेश से पधारे विदेशी अतिथियों और देश के विभिन्न राज्यों एवं विश्वविद्यालयों से आए शिक्षकों, शोधार्थियों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ हिंदी प्रेमियों ने कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाने में सहयोग दिया। सम्मेलन के प्रथम दिन देश के विविध प्रांतों से आए प्रतिभागियों ने महात्मा गांधी के व्यक्तित्व और कृतित्व का वैश्विक परिदृश्य में अवलोकन करने के लिए अनेक उप विषयों पर चर्चा की एवं शोध पत्र वाचन किया। सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति देने पहुंचीं राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायिका एवं स्वर कोकिला मैथिली ठाकुर ने राम भजन, वैष्णव जन तो तेने कहिए के साथ ही सुमधुर स्वरों में नैहर की याद में खोई बिटिया के दर्द को आवाज दी। इस अवसर पर शुभांगी मिश्रा ने गणपति वंदना करते हुए सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संचालक उदयपुर की डॉ. शकुंतला सरूपरिया ने बेटियों से

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सुअवसर पर देश-विदेश के प्रतिनिधियों से भरा सभाकक्ष

“हमने 70 साल तक विदेशी मेहमानों को उपहार में ताज सौंपा था, आज 5 साल से हम उन्हें ‘गीता’ सौंप रहे हैं”

इंद्रेश कुमार,
माननीय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

जुड़े अपने मुक्तकों के साथ सुमधुर गीत की प्रस्तुति भी दी। देश के विभिन्न प्रांतों से आए रचनाकारों ने भी कविता पाठ किया। धन्यवाद की रस्म मगध विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. विनय भारद्वाज ने अदा की। विदेश से पधारे अतिथियों में अमेरिका से अनिता कपूर, मॉरीशस से रामरूप रोहिणी, नीदरलैंड से डॉ. पुष्पा अवस्थी, श्रीलंका से संत धर्मयश, सिंगापुर से ममता मंडल, उज्बेकिस्तान से पधारे उल्फत मुखीबोवा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

भारत के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों में से केरल के प्रो. बाबू जोसेफ, अरुणाचल प्रदेश के श्री ताई तगा एवं तकम सोनिया, हैदराबाद के श्री देवकुमार पुखराज,आगरा केंद्रीय हिंदी संस्थान के उमापति त्रिपाठी, कोल्हापुर के अर्जुन राठौड़, पटना के पूनम आनन्द जमशेदपुर से श्री अरुण सज्जन, राँची से प्रो जंगबहादुर पांडेय, उदयपुर से कवियत्री व पत्रकार डॉ. शकुंतला सरूपरिया को विविध सत्रों के श्रेष्ठ मंच संचालन हेतु विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सम्मेलन में पधारे 30 से अधिक हिन्दी शिक्षकों, प्रोफेसरों वह शोधार्थियों को स्मृति चिन्ह के साथ तुलसी पादप देकर मंचीय अतिथियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर राजभाषा हिंदी के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए विभिन्न उपक्रमों तथा सरकारी कार्यालयों को शील्ड तथा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। एनडीएमसी के अधिकारियों को भी उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए विश्व हिंदी परिषद की ओर से सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। समापन सत्र में विश्व हिंदी परिषद के महासचिव तथा समर्पित हिंदी सेवी डॉ. बिपिन कुमार ने सभी को हिंदी दिवस की बधाई देते हुए विश्व हिंदी परिषद के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी और सम्मेलन को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से सफल बनाने के लिए परिषद के सभी कार्यकर्ताओं एवं आमंत्रित प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया और विश्व हिंदी परिषद द्वारा महात्मा गाँधी जी के उत्कृष्ट सिद्धांतों की ज्योत को आगे बढाने और हिंदी के प्रचार–प्रसार के यज्ञ में आहुति देते रहने के कार्य को निरंतर जारी रखने के संकल्प के साथ सम्मेलन को विराम मिला।

“अगर बंटवारा ना होता, तो न अनुच्छेद 370 होता, न ही उसे हटाने का विषय”

डॉ. जितेन्द्र सिंह, माननीय मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायिका सुश्री मैथिली ठाकुर को गायन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए स्वर कोकिला सम्मान से सम्मानित किया गया

"बिना भाषा की पहचान के कोई राष्ट्र, राष्ट्र नहीं कहलाता"

अर्जुन राम मेघवाल
माननीय मंत्री,
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम,
संसदीय कार्य मंत्री, भारत सरकार

"'भारत' के जन, मन और गण की भाषा हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है"

जनरल वी. के. सिंह,
केन्द्रीय सडक एवं परिवहन राज्य मंत्री,
भारत सरकार

"सभ्य समाज में हिंसा की कोई जगह नहीं है, जीवन का सही आनंद गांधीवादी विचारधारा में ही समाहित है"

के. सी. त्यागी
जद (यू) प्रधान महासचिव

“तब तक कोई देश स्वतंत्र नहीं हो सकता, जब तक वो अपनी राष्ट्रभाषा को गले नहीं लगाता”

अनिल श्रीवास्तव,
प्रमुख सलाहकार,
नीति आयोग, भारत सरकार

एन.डी.एम.सी. की सचिव श्रीमती रश्मि सिंह जी को सम्मानित करते हुए विश्व हिंदी परिषद के महासचिव डॉ. बिपिन कुमार

“महात्मा गांधी ने मॉरीशस को बहुत कुछ दिया। इसी वजह से मॉरीशस में विश्व हिंदी सचिवालय और रामायण केंद्र है”

डॉ. विनोद मिश्र
महासचिव, विश्व हिंदी
सचिवालय, मॉरीशस

(विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस के महासचिव डॉ. विनोद मिश्र का सम्मान)

राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राजभाषा सम्मान

मॉयल MOIL

राजभाषा के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए मेंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एम. पी. चौधरी जी को सम्मानित करते हुए गोवा के महामहिम राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा जी

ओएनजीसी ONGC

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए ओ.एन.जी.सी. के निदेशक श्री राजेश कक्कड जी को सम्मानित करते हुए गोवा की महामहिम राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा जी

श्रेष्ठ राजभाषा की गृह पत्रिका के लिए कोल इंडिया के महाप्रबंधक श्री संजीव कुमार को सम्मानित करते हुए गोवा की महामहिम राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा जी

विश्व हिंदी परिषद द्वारा विदेशों से आए हुए हिंदी प्रेमी विद्वानों एवं प्रतिनिधियों का सम्मान

नीदरलैंड से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष अतिथि के तौर पर आयी डॉ. पुष्पिता अवस्थी राजभाषा सम्मान से सम्मानित

मॉरीशस से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष अतिथि के तौर पर आयी श्रीमती रामरूप रोहिणी जी राजभाषा सम्मान से सम्मानित

श्रीलंका की श्रीमती वजीरा गुणसेना जी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में राजभाषा सम्मान से सम्मानित

सिंगापुर से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में
विशेष अतिथि के तौर पर आयी
श्रीमती ममता मंडल जी
राजभाषा सम्मान से सम्मानित

उज्बेकिस्तान से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
में विशेष अतिथि के तौर पर आयी
उल्फत मुखी बोवा जी राजभाषा
सम्मान से सम्मानित

इंडोनेशिया से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में
विशेष अतिथि के तौर पर आए
श्री सन्त धर्मयश जी राजभाषा
सम्मान से सम्मानित

मीडिया में छाया रहा अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

दिल्ली के एनडीएमसी सभागार में हिंदी दिवस सम्मेलन आयोजित

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

हिन्दी से हिंदुस्तान है तभी तो हमारी शान है। हिन्दी की इसी आन, बान और शान के लिए हम हर वर्ष 14 सितंबर को मनाते हैं हिन्दी दिवस। विश्व हिंदी परिषद द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जन्म जयंती को समर्पित हिंदी दिवस के मौके पर दिल्ली के एनडीएमसी, सभागार में दो दिवसीय (13 - 14 सितंबर) को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ महामहिम गोवा की राज्यपाल श्रीमति मृदुला सिन्हा, केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल, आरएसएस के राष्ट्रीयकार्यकारिणी सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार जी, विश्व हिंदी परिषद के महासचिव डॉ. बिपिन कुमार, जेडीयू के नेता के.सी. त्यागी जी, नीति आयोग के प्रमुख सलाहकार अनिल श्रीवास्तव जी, एनडीएमसी के सचिव रश्मि सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस मौके डॉ. बिपिन कुमार ने मंच पर मौजूद सभी अतिथियों का कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए आभार व्यक्त किया और हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला और इसके विकास के लिए उत्तम कार्य किए जाने का आह्वान किया। विश्व हिंदी परिषद द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन कार्यक्रम की भागीदार पार्टनर एनडीएमसी के सचिव श्रीमति रश्मि सिंह ने इस मौके पर कहा कि हर माता - पिता को अपने बच्चों को हिंदी के महत्व के बारे में बताना चाहिए और उनके भीतर हिंदी का भाव पैदा करने की बचपन से ही कोशिश करनी चाहिए।

मौके पर उपस्थित नीति आयोग के मुख्य सलाहकार अनिल श्रीवास्तव ने कहा कि ''हिंदी हमारे ह्दय की भाषा है, गांधी ने कहा था कि तबतक कोई देश स्वतंत्र नहीं हो सकता जबतक वो अपनी राष्ट्रभाषा को गले नहीं लगाता''...हिंदी एक भाषा नहीं है जीवनशैली है, हिंदी एक दर्शन है। कार्यक्रम में उपस्थित जेडीयू के वरिष्ठ नेता के.सी.त्यागी ने कहा कि हम भारत सरकार और पीएम मोदी जी को बहुत - बहुत बधाई देता हूं कि गांधी जी की 150वीं जन्म जयंती को देश और दुनियाभर में धूम - धाम से मनाने का फैसला लिया है। गांधी जी के सपने को साकार करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण दिया था। आज जब भी हिंदी की बात होती है तो मेरे स्मरण में स्वर्गीय सुषमा स्वराज जी जरूर आती है। इस दौरान त्यागी ने आपातकाल के दौरान अपने संघर्षों और आजादी के समय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की भुमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि सभ्य समाज में हिंसा की कोई जगह नहीं। जीवन का सही आनंद गांधीवादी विचारधारा में ही समाहित है।

केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल ने विश्व हिंदी परिषद के आयोजकों को अतंरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि बिना भाषा की पहचान का कोई राष्ट्र राष्ट्र नहीं कहलाता। मेघवाल जी ने इस मौके पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज जी को याद करते हुए कहा कि अटल जी और सुषमा जी हिंदी के वो वक्ता थे जो अपने हिंदी वाणी से विरोधियों पर भी छाप छोड़ जाते थे।

खबरों में शहर

'हिंदी को पेट की भाषा बनाने की जरूरत'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 13 सितंबर।

गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने हिंदी के महत्व पर रोशनी डालते हुए कहा कि हिंदी और भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए सभी को आगे आना पड़ेगा। सिन्हा ने महात्मा गांधी के जीवन पर भी रोशनी डाली और कहा कि गांधी सत्य का प्रयोग करते थे और वो ऐसा करने में किसी से डरते नही थे। जब भी हिंदी की बात आती है गांधी और नेल्सन मंडेला की बात जरूर होती है। हिंदी दिल की भाषा है लेकिन इसे पेट की भाषा बनाने की जरूरत है। वे विश्व हिंदी परिषद द्वारा आयोजित दो दिन के अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन कर रही थीं। महात्मा गांधी की 150वीं जन्म जयंती को समर्पित हिंदी दिवस के मौके पर एनडीएमसी सभागार में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। उसमें राज्यपाल मृदुला सिन्हा के अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल, आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य डॉ इंद्रेश कुमार, विश्व हिंदी परिषद के महासचिव बिपिन कुमार, एनडीएमसी की सचिव रश्मि सिंह आदि ने विचार रखे। मौके पर उपस्थित नीति आयोग के मुख्य सलाहकार अनिल श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी हमारे हृदय की भाषा है, गांधी जी ने कहा था कि तब तक कोई देश स्वतंत्र नही हो सकता जब तक वो अपनी राष्ट्रभाषा को गले नहीं लगाता।

जनसत्ता Sat, 14 Sep epaper.jans

पांच टुकड़ों में विभाजित होने वाला है पाक : इंद्रेश कुमार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार का कहना है कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 व 35 ए खत्म करने के बाद पाकिस्तान बहुत कमजोर हो गया है। अब वह पांच-छह टुकड़ों में विभाजित होने की कगार पर है। उन्होंने कहा कि भारत से अलग होकर 1947 में अस्तित्व में आए पाकिस्तान का विभाजन 1971 में हुआ। अब पख्तूनिस्तान, बलूचिस्तान, सिंध, पंजाबी पाकिस्तान क्षेत्र बिखरने और टूटने के कगार पर हैं। पूरा विश्व मान रहा है कि पाकिस्तान दिन-ब-दिन आर्थिक रूप से भी कमजोर होता जा रहा है।

इंद्रेश कुमार नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) और विश्व हिंदी परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 व 35 ए हटने के बाद तय हो गया है कि एक देश में एक विधान, एक नागरिकता का सिद्धांत स्थापित हो गया। इसके बाद पाकिस्तान के अवैध कब्जे में 80 हजार

एनडीएमसी व विश्व हिंदी परिषद के कार्यक्रम में गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा, वरिष्ठ संघ प्रचारक इंद्रेश कुमार, केंद्रीय राज्यमंत्री अर्जुन मेघवाल, एनडीएमसी सचिव रश्मि सिंह • जागरण

वर्ग किलोमीटर, चीन के कब्जे में 43 हजार किलोमीटर क्षेत्र लेना शेष बचा है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने स्वीकार किया है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को प्रशिक्षित किया गया। यह बहुत बड़ा सच है। लेकिन, अक्सर सच देर से स्वीकार किया जाता है। भारत तो पहले से कह रहा है कि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाने का काम कर रहा है। अब तो पाकिस्तान बिखराव की ज्वालामुखी के मुहाने पर खड़ा है। इंद्रेश कुमार ने कहा कि कुछ वर्षों बाद दुनिया के मानचित्र पर पाकिस्तान रहेगा या नहीं इस पर भी वैश्विक स्तर पर चर्चा होने लगी हैं। उन्होंने कहा कि जिसका जन्म होता है उसकी मृत्यु निश्चित है। पाकिस्तान जन्मा हुआ देश है और भारत अजन्मा है। उन्होंने कहा कि यह भी संभव है कि पांच-सात वर्षों में हिंदी सम्मलेन का आयोजन लाहौर में हो। उन्होंने कार्यक्रम में लोगों से यह अपील की कि वे ईश्वर से रोटी-कपड़ा और तरक्की मांगें, लेकिन उसमें एक चीज और मांगे कि उनकी मृत्यु अखंड भारत में हो।

हिंदी को पेट की भाषा बनाने की जरूरत : मृदुला सिन्हा

गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने कहा कि हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए इसे पेट यानी रोजगार की भाषा बनाने की जरूरत है। जब यह पेट की भाषा बनेगी तब हर व्यक्ति अपने बच्चे को हिंदी में पढ़ाने में गर्व महसूस करेगा। उन्होंने सम्मेलन में मौजूद लोगों से आह्वान किया कि वे हिंदी को परिवार की भाषा बनाएं। वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल ने कहा कि बिना भाषा के किसी भी राष्ट्र की पहचान अधूरी होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अटल जी और सुषमा जी हिंदी के प्रखर वक्ता थे। वे अपनी हिंदी से विरोधियों पर भी छाप छोड़ जाते थे। एनडीएमसी की सचिव रश्मि सिंह ने कहा हर माता-पिता को अपने बच्चों को हिंदी के महत्व के बारे में बताना चाहिए।

अब भारतीय संस्कृति की वो बात नहीं रही, बच्चे बिगड़ रहे हैं : मृदुला सिन्हा

अदालती सूचना

MATION REQUIRING
NCE OF DEFENDANT
R 5, RULE 20 OF THE
F CIVIL PROCEDURE)
COURT OF Ms. Priya
, Additional District
(South), Court No. 602,
rts, New Delhi.
No. CS DJ/16/2018
BANK Ltd.
.... (Plaintiff)
Versus
J SINGH

नई दिल्ली (एसएनबी)। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में एक टिप्पणी करते हुए गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने कहा है कि अब भारतीय संस्कृति की वो बात नहीं रही, बच्चे बिगड़ रहे हैं। हिन्दी प्रेमियों से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि हिन्दी और भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए सभी को आना होगा। वह एनडीएमसी सभागार में आयोजित विश्व हिन्दी परिषद के उद्घाटन समारोह में बोल रही थीं। समारोह के अतिथि एवं केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने कहा कि बिना भाषा की पहचान के कोई भी राष्ट्र, राष्ट्र नहीं कहलाता। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह, डॉ इंद्रेश कुमार, जदयू नेता केसी त्यागी, एनडीएमसी की सचिव रश्मि सिंह एवं विश्व हिन्दी परिषद के डॉ बिपिन कुमार समेत अन्य गण्यमान्य लोग मौजूद थे।

राज्यपाल सिन्हा ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के साथ बिताए पलों को साझा करते हुए कहा कि लोगों को एक मंच कर आना होगा। महात्मा गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह हमेशा सत्य का प्रयोग करते थे। हिन्दी दिल भी भाषा है और इसे पेट की भाषा बनाने की जरूरत है, तभी अध्यापक भी बच्चों को हिन्दी पढ़ाने में गर्व महसूस करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, सुषमा स्वराज को याद करते हुए वह हमेशा अपनी भाषा से ही विरोधियों पर छाप छोड़ते थे। डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि अब तक की सरकारें देश के लिए अंग्रेजी में सोचती थीं, पहली बार देश को कोई ऐसा प्रधानमंत्री मिला है, तो हिन्दी में काम करने की सलाह देने के साथ ही गांधी जी के सपनों को साकार करने में लगा है। आरएसएस के डॉ इंद्रेश कुमार के कहा कि हिन्दी मानवीय जीवन के अनुकूल की भाषा है। जदयू के केसी त्यागी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि गांधी जी की 150वीं जयंती मनाने को लेकर धूमधाम से तैयारी हो रही है।

हिन्दी को पेट की भाषा बनाने की जरूरतः सिन्हा

नई दिल्ली। विश्व हिंदी परिषद की ओर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर एनडीएमसी सभागार में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने किया।

राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ बिताए पल साझा करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की वो बात नहीं रही, बच्चे बिगड़ रहे हैं। हिंदी और भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए सभी को आगे आना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हिंदी दिल की भाषा है, जिसे पेट की भाषा बनाने की जरूरत है। केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री (प्रधानमंत्री कार्यालय) जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रपिता के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें खुशी है कि 'स्वच्छ भारत व खादी' सहित गांधीजी के सपनों को साकार करने का जिम्मा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिला है। ब्यूरो

सम्मेलन विशेष:

साहित्यकार सलमा जमाल द्वारा रचित पुस्तिका हनुमान चालिसा का विमोचन करते भारत सरकार के माननीय मंत्री जनरल वी. के. सिंह

सोशल मीडिया में छाया रहा अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

Rashmi Singh
15 September at 22:30

हिंदी दिवस 14 सितंबर सभी को धन्यवाद जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाया
Vishwa Hindi Parishad #HindiDiwas2019
https://youtu.be/twmSBznKyOw

43 · 6 comments 4 shares
Like Comment Share

Dr Jitendra Singh
13 September

GANDHI 150...INTERNATIONAL SEMINAR
"If only the top leaders in Congress party and the Muslim League, particularly Jawaharlal Nehru and Jinnah had heeded the advice of Bapu, the partition could have been avoided and the history of Indian subcontinent would have different. Consequently, the Kashmir scenario would have been different and there would have neither been the issue of Article 370 nor the need to abrogate it by the Modi government."
"Soon after independence, Mahatma Gandhi had advised the disbanding of Congress party because according to him, its purpose was limited to obtaining the freedom, but the power hungry Congress leaders refused to heed his advice and the credit finally goes to Bharatiya Janata Party under Narendra Modi and Amit Shah for having accomplished "Congress-Mukt Bharat", as per the wishes of Bapu."

Indresh Kumar
13 September

अंतराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन.
आयोजक : विश्व हिन्दी परिषद ..
स्थान : NDMC कन्वेंशन सेन्टर, नई दिल्ली ...
प्रमुख उपस्तिथी :
आदरणीय इन्द्रेश कुमार जी।
महामहिम राज्यपाल Goa, मृदुला सिन्हा जी ।
केंद्रीय मंत्री, अर्जुन मेघवाल जी ।
सांसद त्यागी जी ।
चित्र साभार :
डॉ नीलेश जी

180 · 14 comments 11 shares
Like Comment Share

MP KC Tyagi
13 September

NDMC सभागार में विश्व हिंदी परिषद द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में गोआ की राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा जी , वरिष्ठ नेता श्री इंद्रेश कुमार जी , केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जी , प्रधान मंत्री कार्यालय के मंत्री श्री जितेंद्र सिंह जी , नीति आयोग के advisor श्री अनिल श्रीवास्तव जी एवं NDMC की सचिव श्रीमती श्री रश्मि सिंह जी के साथ मंचासीन हुआ

227 · 38 comments 15 shares

Dr. Satyapal Singh
14 September at 20:46

आज #हिंदी_दिवस के अवसर पर एन.डी.एम.सी सभागार, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में विश्व हिंदी परिषद द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में पधारे हिंदी प्रेमियों को संबोधित किया।

740 · 32 comments 22 shares
Like Comment Share

"राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी भारतीयता के सनातन पथ के वह प्रभावी व कालजयी प्रदर्शक हैं, जिनके सपनों का भारत हिंदी स्वराज में दिखाई देता है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने अपने प्रेरणादायी व संतुलित जीवन आदर्शों के कारण डेढ़ सदी के बाद भी आज विश्व की एक विलक्षण मानव कल्याण विभूति के रूप में अपनी सर्वश्रेष्ठ छवि बनाए रखी है। सत्य, अहिंसा और सर्वोदय जैसे कारकों को जनकल्याण का अमोघ साधन बताते हुए गाँधी जी ने स्व–अनुभूति, स्व–चिंतन और स्वतंत्रता के साथ सच्ची संप्रभुता के लिए स्व–भाषा हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित करने का प्रभावशाली प्रयास किया। उनका मानना था कि हमारी हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति की वाहक है तथा राष्ट्रवाद का एक महत्वपूर्ण अंग भी है। गाँधी के व्यक्तित्व का आयाम इतना विशाल एवं विहंगम है कि उनके व्यक्तित्व–कृतित्व का वैश्विक परिदृश्य में अवलोकन करने में कई सदियां तक कम पड़ सकती हैं।"

उक्त मिले–जुले विचार यहां राष्ट्रभाषा हिंदी के लिए अहर्निश समर्पित विश्व हिंदी परिषद की ओर से महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयंती पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विभिन्न विद्वानों के उदबोधन एवं शोधपत्र वाचन में उभर कर आए।

"मुझे पूर्ण विश्वास है कि विश्व हिंदी परिषद के प्रयास से अब बहुत जल्द ही हिंदी संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा बनेगी"

डॉ. बिपिन कुमार, महासचिव,
विश्व हिंदी परिषद

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन-2019 का हुआ शानदार समापन

देश के विभिन्न राज्यों के भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वान शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का सम्मान

विश्व हिन्दी परिषद
हिन्दी भाषा विश्व भाषा
वसुधैव कुटुम्बकम्

विश्व हिन्दी परिषद

एस.1, द्वितीय तल, उपहार सिनेमा व्यावसायिक परिसर, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन,नई दिल्ली–110016, फोनः 011–41021455, 8586016348, 9953325434
ई–मेलः vishwahindiparishadoffice@gmail.com, वेबसाइटः www.vishwahindiparishad.org
vishwahindiparishad 85860 16348